Antarvasna™
अन्तर्वासना

भाई बहन ननदोई सलहज का याराना-11

“मैंने बाथरूम में रखी हुई क्रीम अपने लिंग और उसकी गांड के छेद पर मल कर एक बार फिर प्रयास किया. तब मेरा लिंग मुंड उसके उसकी गांड में घुस गया। …”

Story By: (raajveer69)
Posted: Thursday, October 11th, 2018
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: भाई बहन ननदोई सलहज का याराना-11

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भाई बहन ननदोई सलहज का याराना-11

> धीरे-धीरे श्लोक के धक्कों की गति इतनी बढ़ गई कि रीना का पूरा शरीर जोर जोर से ऊपर नीचे हिलने लगा जिसके कारण मुझे अब धक्के लगाने की जरूरत नहीं थी, मेरा लिंग अपने आप ही रीना की गांड से अंदर बाहर होने लगा था। हमारे द्वारा दिए गए झटकों से उसके स्तन ऊपर नीचे हिल हिल कर किसी पोर्न फिल्म से नजारा बना रहे थे।

सच बताऊं तो दोस्तो, समझ नहीं आ रहा है कि जो मजा में उस वक्त महसूस कर रहा था, उसे कैसे बयान करूँ!
चूत और गांड के छेद के बीच की एक पतली सी झिल्ली के दोनों तरफ जब दो लिंग अंदर बाहर घुस कर उन दो छिद्रों के अंदर एक दूसरे से रगड़ खा रहे थे तो कैसा अनुभव हो रहा था यह तो जब आप अपनी किसी महिला साथी के साथ करेंगे तभी पता चलेगा।

करीब 10 मिनट के जोरदार लगातार धक्कों के साथ रीना की चूत के पानी में हमारे लिंग कमर सब भीग गए। चूत से इतना पानी शायद ही रीना ने अब तक की किसी चुदाई में छोड़ा होगा। हमारे गुप्तांगों पर इतनी चिकनाई हो गई थी कि लिंग अगर गलती से झटकों में बाहर भी निकल जाए तो अपने आप अपने अपने क्षेत्र में प्रविष्ट कर रहा था। रीना अपना होश खो बैठी थी और उत्तेजना में दहाड़ रही थी।

श्लोक अति उत्तेजित हो चुका था, उसने कहा- जीजू मुझे स्खलित होना है, अत: मुझे छोटा छेद चाहिए।
हमने रीना को उठाकर अपनी जगह बदली ली. अब श्लोक नीचे लेट गया और अपनी बहन

रीना की गांड में अपना लिंग घुसा दिया तथा मैंने रीना की चूत में अपना लिंग।

रीना ने अपने हाथ बेड पर टिका दिए तथा दोनों छिद्रों में लिंग का स्वागत करने के लिए छिद्रों के द्वार खोल कर बैठ गई अब हम दोनों ने बेतहाशा झटके दिए जिससे कि रीना के मुंह से पोर्न फिल्मों के नायिका की तरह उम्फ़ … उन्हफ़ … की आवाज़ें निकलने लगी। रीना की चूत से अब जोरदार फच फच की आवाज आने लगी, उसने अपना सारा पानी छोड़ दिया तथा जोरदार झटकों के साथ में तथा श्लोक भी रीना की चूत और गांड में एक साथ स्खलित हो गए।

हम तीनों के गुप्तांग और कमर एक दूसरे के पानी से बेहद गीले हो गए थे। मेरी साले की बीवी सीमा ने हम तीनों को नैपकिन उपलब्ध करवाए तो मेरा ध्यान सीमा पर गया जो कि इस ग्रुप थ्रीसम पॉर्न फिल्म का सीधा प्रसारण का लुत्फ उठा चुकी थी। हम तीनों अपने आप में बिजी थे कि हमें नहीं पता कि इस दौरान सीमा कितनी उत्तेजित हुई या उसने इस उत्तेजना में अपनी चूत में उंगली की या नहीं।

रीना साइड में पलंग पर पड़ी हुई थी और 'ओ माय गॉड … ओ माय गॉड …' कर रही थी। उसकी चुदाई की हुई चूत और गांड चौड़ी हो चुकी थी। श्लोक और मेरी भी सांसें तेज थी. हम भी बेड पर थोड़ी देर के लिए चित होकर लेट गए।

वास्तव में रीना वासना की मूर्ति थी। उसकी इतनी घनघोर चुदाई करने के बाद भी श्लोक और मेरा मन था कि उसे और उधेड़ा जाए। लेकिन यह तो वाइल्ड फकिंग हो जाती और वैसे भी हमें अभी अपनी कृति सेनन यानि सीमा को ठंडा करना था जो सीधा प्रसारण वाली थ्रीसम चुदाई देखकर बहुत गर्म हो गई थी।

15-20 मिनट आराम करके श्लोक और हम दोनों बाथरूम गए और स्वयं को साफ किया। सीमा और रीना कमरे में ही थी।

श्लोक मुझसे बाथरूम में बोला- जीजू, मेरी सीमा को थोड़ा प्यार से चोदना।
इस पर मैंने श्लोक से कहा- बेटा, पूरा बदला लूंगा, जितने तेज धक्के मेरी रीना को दिए है, उतने ही तेज धक्के तेरी सीमा को खाने पड़ेंगे।
इस पर हम दोनों हंसने लगे।

श्लोक- यार जीजू, सीमा पर थ्रीसम चुदाई का कोई दूसरा पोजिशन ट्राई करते हैं।
मैं- हाँ यार, मन तो मेरा भी यही है लेकिन तीन लोगों की चुदाई को देख कर सहज होने में वही पोजीशन बेस्ट था। फिर भी चलो कुछ मजेदार ट्रॉय करते हैं। जाओ और सीमा को पकड़ के यहीं बाथरूम में ले आओ।
इस पर श्लोक ने मजे से ओके कहा और लंबी सेक्सी सीमा को पूर्ण रूप से नग्न अपनी गोद में उठाए हुए बाथरूम में ले आया।

जैसा कि मैंने आपको कहानी के शुरू में बताया था। फ्लैट के बाथरूम काफी अत्याधुनिक थे इसमें कहीं प्रकार के शावर तथा एक बड़ा बाथटब भी था।

सीमा थ्रीसम चुदाई में रीना का हाल देख चुकी थी, उसकी उत्तेजना तथा थोड़ा डर वाला मनोभाव प्रकट करने वाला चेहरा शर्म से लाल था तथा उसके शरीर के रोंगटे खड़े थे।
लंबी टांगों, चौड़ी गांड, जीरो फिगर वाली पतली कमर तथा स्तन वाली सीमा बाथटब के किनारे पर बैठी थी।

श्लोक बाथटब के अंदर चला गया तथा पीछे से उसकी पीठ पर अपनी जीभ चलाने लगा। मैंने नीचे बैठकर सीमा के टांगें चौड़ी करके उसकी चूत पर अपना मुंह रख दिया तथा जीभ से उसकी चूत का चोदन करने लगा।
उत्तेजित सीमा ने अपने दोनों हाथों से बाथटब के किनारों को पकड़ लिया और अपने हाथों की पकड़ को बेहद मजबूत कर लिया। श्लोक ने सीमा के साइड में आकर उसके स्तनों पर अपना मुंह चलाना शुरू कर दिया और उन्हें चूसने लगा। मैंने सीमा की जांघें और पांव को

जीभ से गुदगुदा कर उसे उत्तेजित किया।

अब चूंकि सीमा की चूत बेहद गीली हो चुकी थी, मैं खड़ा हो गया, सीमा को खड़ा किया तथा उसके कूल्हों के नीचे हाथ रख कर उसे अपनी गोद में बिठा लिया. सीमा ने अपनी दोनों टांगों को मेरी कमर की ओर घुमा कर अपने आपको मेरे ऊपर लाद दिया. अब मेरे ऊपर चिपकी हुई सीमा की गीली चूत में मैंने अपना खड़ा लिंग डाल दिया और गोद में ही ऊपर नीचे करके सीमा को धीरे धीरे चोदने लगा।

जब मेरा लिंग सीमा की चूत के पानी से पूरा गीला हो गया तब मैंने श्लोक की तरफ इशारा किया। सीमा को मैंने नीचे उतारा, तब श्लोक ने इसी अवस्था में सीमा को उठाया और उसे गोदी में लेकर उसकी चूत में लंड डालकर चोदने लगा। सीमा श्लोक का लंड खाते हुए उसे चिपकी हुई थी। तब मैंने पीछे से आकर खड़े खड़े सीमा के गांड में अपना लिंग टिका दिया किंतु लंड सीमा के गांड में घुस नहीं पाया.

तो मैंने बाथरूम में रखी हुई क्रीम अपने लिंग और उसकी गांड के छेद पर मल कर एक बार फिर प्रयास किया. तब मेरा लिंग मुंड उसके उसकी गांड में प्रवेश किया। श्लोक ने उसकी चूत चोदते चोदते सीमा की गांड को मेरे लिंग पर दबाया जिसके कारण मेरा लिंग पूर्ण रूप से सीमा के गांड में प्रवेश कर गया।

अब हम तीनों की खड़े-खड़े थ्रीसम चुदाई शुरू हो चुकी थी, कभी श्लोक के हाथ दुखते तो मैं रीना की गांड के नीचे हाथ लगा कर उसे ऊपर नीचे करता। कभी मेरे हाथ दर्द करने लगते तो श्लोक सीमा को उठा उठा कर हमारे लिंग पर दबाता।

सीमा ने उत्तेजना में श्लोक के कंधे पर जोरदार काट लिया उसका मुंह उसके कंधे को काटे हुए ही था।

रीना इस चुदाई से अनजान अपने बेड पर पड़ी हुई थी।

श्लोक और मैं एक बार फिर एक ही औरत के दोनों छिद्रों में अपना लिंग घुसा कर एक दूसरे के लिंग पर अपने अपने लिंग की रगड़ महसूस कर रहे थे।

अब सीमा भी जोरदार सिसकारियां भरने लगी। सीमा की चूत की चिकनाई हमारे लिंग पर रेंगने लगी थी। तीनों ने इस अवस्था में जोरदार मजा लिया किंतु सहज महसूस नहीं होने के कारण हमने सीमा को अपनी गोद में से थोड़ी देर बाद उतार दिया।

अब मैं बाथटब के किनारे पर बैठ गया, सीमा घोड़ी बनकर मेरे लिंग को मुंह में लेने लगी. पीछे से श्लोक ने आकर उसकी चूत में उसका लिंग डाल दिया और जोरदार झटके देने लगा। अब सीमा अपनी चूत में लिंग खाते हुए मेरे लिंग को चूस रही थी, श्लोक के जोरदार झटके मुझे सीमा के मुंह के जरिए अपने लिंग पर महसूस हो रहे थे।

थोड़ी देर बाद श्लोक बाथटब पर बैठ गया, सीमा ने उसका लिंग अपने मुंह में ले लिया तथा घोड़ी बनी हुई सीमा की गांड में मैंने अपना लंड पेल कर उसकी गांड की चुदाई की. इस तरह बारी-बारी से हमने सीमा को चोदा और उससे अपना लिंग चुसवाया। सीमा भी मस्त होकर हमारा लिंग चूस रही थी तथा अपने पिछवाड़े से जोरदार झटके हमारे लिंग पर देकर हमारे लिंग का स्वागत कर रही थी।

फिर हम बाथरुम से बेड पर चले गए जहां रीना अपने आप को साफ कर रही थी। हमें बाहर आता देख रीना बाथरूम में घुस गई। शायद उसे मूत्र त्याग करना था।

बेड पर सीमा श्लोक और मेरा द्वंद्व शुरू हुआ, हमने उसी अवस्था में सीमा को चोदा जिस अवस्था में रीना को चोदा था। श्लोक ने नीचे लेट कर सीमा की गांड में अपना लिंग डाला तथा मैंने सामने से आ कर सीमा की चूत में अपना लंड डाला तथा जोरदार चुदाई शुरू

की। सीमा ने अति उत्तेजना के साथ उचक उचक कर हमारे लिंगों का स्वागत किया तथा अपनी चूत से नदिया बहा कर यह प्रदर्शित किया कि वह भी उत्तेजना और मजे लेने में रीना से बिल्कुल कम नहीं है।

जहां रीना इस तरह की चुदाई में उम्फ़ … उन्फ़ … की आवाज निकाल रही थी, वहीं सीमा फक मी हार्ड … फक मी हार्ड … की आवाज निकाल रही थी। उसकी इस उत्तेजना भरी बातों से मैंने उत्तेजित होकर उसी की चूत के पानी में सना हुआ मेरा लिंग बीच बीच में उसके मुंह में भी डाल दिया लेकिन उसने बिना किसी ना नुकुर के साथ मजे से चूसा।

श्लोक और मेरे जोरदार झटकों से जब सीमा स्खलित होकर निढाल गिरने लगी। तब पहले मैं स्खलित हुआ था और बाद में श्लोक ने अपने आप को स्खलित करके ठंडा किया।
हम तीनों बेड पर बेहद थके हुए निढाल होकर गिर गए।

इतने में रीना बाथरूम से निकल कर आई और बोली- जल्दी तैयार हो जाओ बहनचोदो … आई एम फीलिंग हॉर्नी।
लेकिन हम रीना के इस निमंत्रण के लिए तैयार नहीं थे, उसे तो काफी समय मिला था आराम करने का लेकिन हमने तो लगातार मेहनत की थी।

इस पर श्लोक ने रीना से कहा- आ जाओ दीदी, हमारे साथ बेड पर लेट जाओ, अगर मेरे लिंग ने साथ दिया तो आपकी मनोकामना पूरा कर देंगे.
सीमा ने अपना हाथ लंबा करके कमरे की लाइट को बिल्कुल धीमा कर दिया। हम चारों बेड पर पूर्ण रूप से नग्न एक दूसरे पर अपने हाथ पांव रखकर चिपके हुए लेटे थे। इस खतरनाक चुदाई ने मेरी नींद को तो बहुत गहरा कर दिया था कि अब तो आंखें खोलने की भी हिम्मत नहीं हो रही थी अत: मैं तो सो गया। जहां तक मुझे पता था बाकी तीनों भी सो गए थे।

बेहद गहरी नींद आने के बाद बेड के हिलने से मेरी नींद हल्की सी टूटी तो देखा कि हमें सोये हुए करीब 2 घंटे हो गए थे। करवट बदल कर देखा कि बेड क्यों हिल रहा है तो पाया कि श्लोक रीना की चुदाई कर रहा है और रीना अपनी टांगें उठा कर श्लोक के धक्के खा रही है। गजब की वासना भरी थी रीना में … जिसे उसका सगा भाई श्लोक जोरदार तेज झटकों वाली चुदाई से शांत कर रहा था।

मेरी सलहज सीमा गहरी नींद में सोई हुई थी, मैंने उसे उठाना उचित नहीं समझा। क्योंकि हमारे सोते वक्त रीना की सेक्स करने की इच्छा हो गई थी इसलिए श्लोक ने भी अपनी नींद टूटने पर रीना की मनोकामना पूर्ण की।
इस तरह सबकी मनोकामनाएं पूर्ण हो गई थी।

अलग-अलग अदला-बदली करने के बाद आज यह हमारी पहली सामूहिक चुदाई थी जिसका हमने भरपूर मजा लिया और अब तो यह करते रहना था सब कुछ कितना आसानी से हो गया था। आने वाले कल व समय में हम इसी तरह के बेहद आनंद प्रदान करने वाले समय को जीने वाले थे यह सोचते सोचते मेरी आंख लग गई।

तो यह थी हमारे सामूहिक याराना की पहली रात।
इस रात के करीब 8 महीने तक हमने कई बार एक दूसरे की बीवियों को बदलकर भोग किया तथा सप्ताहांत पर सामूहिक चुदाई कार्यक्रम आयोजित किया। आठ महीने के इस जीवन काल में ऐसा लगा कि हमारे सेक्स जीवन को एक नई दिशा तथा मजदार से किनारा मिल गया है।

तब श्लोक ने हमारे बिजनेस को गुजरात में शुरू करने की इच्छा प्रकट की। मेरा राजस्थान के साथ गुजरात में होना थोड़ा मुश्किल था। अत: हमारे बिजनेस के गुजरात में स्थापित होने के मालिकाना हक मैंने श्लोक को प्रदान किए। इसके करीब 2 महीने बाद सीमा और श्लोक गुजरात शिफ्ट हो गए।

हम चारों को बिछड़ने का बेहद दुख था और क्यों ना हो हमारा बंध इस प्रकार का जो बना हुआ था।
यह तो पक्का था कि जब भी मिलेंगे अदला बदली करके चुदाई होनी ही थी और हम चारों को इसका हमेशा से इंतजार रहा।

जहां तक अदला-बदली का सवाल था तो मुझे लगा कि प्रिया और रणवीर तथा श्लोक और सीमा ही हमारे अदला-बदली के साथी रहेंगे। लेकिन समय मेरे लिए एक बड़ा आश्चर्य लिए हुए मेरा इंतज़ार कर रहा था। मुझे नहीं पता था कि सबके साथ अदला-बदली की पृष्ठभूमि रचने वाले राजवीर यानि मेरे साथ ही कहीं ना कहीं कोई और यह पृष्ठभूमि तैयार कर रहा है। कोई था जो कि रीना को चोदने के सपने देख रहा था और एक नए खेल की शुरुआत करने वाला था जिससे मैं अनजान था।
सबको मोहरा बनाने वाला खुद मोहरा बनने वाला था।

प्यारे दोस्तो ! याराना का सबसे रोमांचक पड़ाव अभी आपको सुनाना बाकी है। सबसे ज्यादा उत्तेजना पैदा करने वाली एक घटना घटित होना बाकी है।
कौन होगा आखिरी अदला बदली का साथी ?
इस रहस्य से आपको वाकिफ करना बाकी है।

प्यारे दोस्तो ! एक और याराना शुरू होने वाला है। इतनी असलियत रोमांच और आश्चर्य से भरा एक और किस्सा सामने आने वाला है। इंतजार कीजिए अगले याराना का।
दोस्तो, मेल में इतना सारा प्यार देने के लिए धन्यवाद। आगे का याराना अगर जल्दी पढ़ना चाहते हैं कृपया मेल पर याराना बनाए रखें। जितना इंतज़ार याराना का है उतने मेल करके प्रोत्साहित कीजिएगा।
आपका राजवीर
raajveer6969@gmail.com